

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता, सत्र 1, पवित्र आत्मा एक व्यक्ति है

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन की पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 1 है, पवित्र आत्मा एक व्यक्ति है।

पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता पर हमारे पाठ्यक्रम में आपका स्वागत है। आइए हम कुछ भी करने से पहले प्रार्थना करें। पिता, आपके वचन, आपकी आत्मा और आपके पुत्र के लिए धन्यवाद।

हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें सिखाएँ। हमें प्रोत्साहित करें। जहाँ हमें इसकी ज़रूरत हो, हमें सुधारें।

हम प्रार्थना करते हैं कि हमें अपने अनन्त मार्ग पर ले चलो, मध्यस्थ यीशु मसीह के द्वारा। आमीन। मसीह के साथ एकता एक बहुत ही अद्भुत और हैरान करने वाला सिद्धांत है, और इसे समझने के लिए, हमें सबसे पहले परमेश्वर, पवित्र आत्मा और उसकी सेवकाई के बारे में सोचना होगा।

तो, हम पवित्र आत्मा के व्यक्तित्व, पवित्र आत्मा के ईश्वरत्व, और फिर उसके कार्यों, और उसके मुख्य मंत्रालय, जो उद्धार में है, लोगों को मसीह से जोड़ना है, को कवर करेंगे। फिर हम पुराने नियम, सिनॉटिक गॉस्पेल और प्रेरितों के काम में, प्रभु की इच्छा से, मसीह के साथ एकता के लिए नींव पर आगे बढ़ेंगे। यह वह सामग्री है जिसके बारे में शायद ही कभी बात की जाती है।

फिर, जॉन के सुसमाचार में मसीह के साथ एकता है, और फिर, बेशक, मुकुट, पॉल में मसीह के साथ एकता, ग्रंथों, भाषा और साहित्य, और पॉल के चित्रों और विषयों के साथ काम करना। संक्षेप में, मसीह के साथ एकता और समग्र बाइबिल कहानी, और अंत में, भगवान की इच्छा से, मसीह के साथ एकता और व्यवस्थित धर्मशास्त्र। लेकिन चीजों को आगे बढ़ाने के लिए, अगर मुझे मसीह के साथ एकता को परिभाषित करना है, तो मैं इसे त्रित्ववादी तरीके से करूंगा।

उद्धार की योजना परमेश्वर द्वारा बनाई जाती है, परमेश्वर द्वारा पूरी की जाती है, और परमेश्वर द्वारा लागू की जाती है। उद्धार की योजना संसार के निर्माण से पहले बनाई गई थी, इफिसियों 1:4, 2 तीमोथियुस 1:9, त्रिएक द्वारा, विशेष रूप से पिता द्वारा अपने लिए लोगों को चुनने में। फिर भी जिन लोगों को वह चुनता है, वे संसार के निर्माण से पहले बचाए नहीं जाते क्योंकि वे अस्तित्व में नहीं थे।

इसलिए, उद्धार की योजना न केवल परमेश्वर द्वारा बनाई गई है, बल्कि इसे त्रिदेवों, विशेषकर पुत्र द्वारा पहली शताब्दी में पूरा किया गया है। उनके अवतार से लेकर दूसरे आगमन तक, जो निश्चित रूप से पहली शताब्दी से कहीं आगे तक जाता है, सब कुछ उनके उद्धार कार्य में शामिल है,

लेकिन यीशु की उद्धार उपलब्धि का हृदय और आत्मा उनकी मृत्यु और पुनरुत्थान है। और वे, वास्तव में, पहली शताब्दी की ऐतिहासिक घटनाएँ हैं।

पिता ने अनंत काल में उद्धार की योजना बनाई थी, और पुत्र ने पहली सदी में उद्धार पूरा किया, लेकिन फिर भी, हालाँकि हममें से कुछ लोग बहुत पुराने हो चुके हैं, हम पहली सदी में जीवित नहीं थे। इसलिए, परमेश्वर उद्धार लागू करता है, और यह त्रिदेव, विशेष रूप से पवित्र आत्मा का कार्य है, जो इतिहास में परमेश्वर के लोगों के जीवन की कहानियों के दौरान होता है। इसे उद्धार का अनुप्रयोग कहा जाता है।

तो, उद्धार की योजना बनाई गई, सृष्टि से पहले चुनाव, विशेष रूप से पिता का कार्य, उद्धार पूरा हुआ, पहली सदी में उद्धारक की मृत्यु और पुनरुत्थान, फिर उद्धार लागू हुआ, त्रिदेव का कार्य, लेकिन सबसे खास तौर पर पुनर्जन्म और बुलावा और प्रारंभिक पवित्रीकरण और विश्वास और पश्चाताप, औचित्य, गोद लेने और दृढ़ता में पवित्र आत्मा। ये सभी चीजें उद्धार का अनुप्रयोग हैं, और मेरे पास इसे संक्षेप में कहने का एक और तरीका है, और वह है मसीह के साथ एकता। मैंने जिन सिद्धांतों का उल्लेख किया है, उनमें से प्रत्येक मसीह के साथ एकता में होता है।

दूसरे शब्दों में, जब परमेश्वर हमें आध्यात्मिक रूप से अपने पुत्र से जोड़ता है, तो हम उसके सभी उद्धारक लाभ प्राप्त करते हैं, जिसमें औचित्य, बुलावा, पश्चाताप, विश्वास, दत्तक ग्रहण, औचित्य, इत्यादि, पवित्रीकरण, इत्यादि शामिल हैं। इसलिए, मसीह के साथ एकता की एक संक्षिप्त परिभाषा परमेश्वर, पवित्र आत्मा का शक्तिशाली कार्य है, जो परमेश्वर के लोगों को जोड़ता है, जिन्हें परमेश्वर ने चुना है, पुत्र ने छुड़ाया है, वास्तव में उन लोगों को उद्धार में मसीह से जोड़ता है, उन्हें उससे जोड़ता है, और उन्हें एकजुट करता है। आत्मा विश्वासियों को एकजुट करती है।

मसीह के साथ एकता, कम से कम संकीर्ण अर्थ में, शास्त्रों में विश्वास का अनुसरण करती है। व्यापक अर्थ में, यह एक विस्तृत छत्र है क्योंकि चुनाव उसमें था, और ईसाई जीवन का हिस्सा, डायनेमो, यह है कि हम उसके साथ मरे, हम उसके साथ दफनाए गए, हम उसके साथ जी उठे, और इसी तरह, लेकिन विशेष रूप से आत्मा हमें यीशु और उसके सभी बचत लाभों से जोड़ती है। यही मसीह के साथ एकता है।

जीवित मसीह के साथ जुड़कर, हम उसके सभी तकनीकी रंगों में उद्धार प्राप्त करते हैं। पवित्र आत्मा के बारे में बात करना शुरू करने से पहले, जो मसीह के साथ एकता में मुख्य प्रेरक है, मैं एक ग्रंथ सूची के साथ थोड़ा सा करना चाहता हूँ, यदि दर्शक और छात्र आगे जाना चाहते हैं। कई, कई वर्षों तक मानक लुईस स्मीड की अच्छी किताब, ऑल थिंग्स मेड न्यू, 1970 थी।

उन्होंने एक मुक्ति-ऐतिहासिक दृष्टिकोण अपनाया और एक उपेक्षित सिद्धांत को संबोधित किया। उस समय मसीह के साथ एकता पर कुछ भी नहीं था, और यह कई, कई वर्षों तक एक मानक बना रहा क्योंकि अन्य चीजें नहीं लिखी गईं। यह अभी भी एक ठोस किताब है।

लुईस स्मीड की *ऑल थिंग्स मेड न्यू*। विलियम इवांस ने *इम्प्यूटेशन एंड इम्पार्टेशन* लिखी, जो जॉन कैल्विन के मसीह के साथ मिलन के महत्वपूर्ण सिद्धांत और इस तथ्य से संबंधित है कि यह

खो गया था और फिर केवल उनके कुछ धार्मिक उत्तराधिकारियों द्वारा ही पुनः प्राप्त किया गया था। यह एक अच्छा ऐतिहासिक अध्ययन है।

यह सीधे तौर पर पवित्रशास्त्र का अध्ययन नहीं करता, लेकिन यह बिल इवांस द्वारा किया गया एक मूल्यवान ऐतिहासिक अध्ययन है। आरोपण और अधिरोपण। मसीह के साथ एकता, हालांकि कैल्विन के संस्थानों में कोई अलग अध्याय नहीं है, यह संपूर्ण में व्याप्त है।

उनके अपने आकलन में, बचाए जाने का एक सर्वोच्च आशीर्वाद परमेश्वर की संतान होना और गोद लिया जाना है। और फिर से, उद्धार के आवेदन के सभी पहलू मसीह में हैं। उसके साथ जुड़कर, हम उन सभी बचत लाभों को प्राप्त करते हैं।

हंस बर्गर, एक डच पादरी और विद्वान, ने बीइंग इन क्राइस्ट नामक पुस्तक लिखी, जो एक सुधारवादी दृष्टिकोण से एक बाइबिल और व्यवस्थित जांच है। इस पुस्तक में, उन्होंने दो ऐतिहासिक व्यक्तियों, जॉन ओवेन, प्यूरिटन के बारे में बात की, जिनके पास मसीह के साथ एकता का एक अद्भुत और गर्म सिद्धांत था, और हरमन बाविक, प्रसिद्ध डच विद्वान, व्यवस्थित धर्मशास्त्री। उन्होंने दो बाइबिल लेखकों, जॉन और पॉल, के बारे में बहुत ही उचित तरीके से बात की, और फिर दो आधुनिक लेखकों, इंगोल्फ डालफर्थ और ओलिवर ओ'डोनोवन, प्रसिद्ध नैतिकतावादी के बारे में बात की।

रॉबर्ट लेथम की किताब, *यूनियन विद क्राइस्ट इन स्क्रिप्चर, हिस्ट्री, एंड थियोलॉजी*, वाकई बहुत अच्छी है। यह वाकई बहुत अच्छी है। यह हमें और अधिक पढ़ने के लिए प्रेरित करती है क्योंकि यह बहुत संक्षिप्त है, लेकिन वह मसीह और सृष्टि के साथ एकता के बारे में बात करता है।

चूँकि मसीह परमेश्वर की सच्ची छवि है जब परमेश्वर ने आदम और हव्वा को बनाया था, तो वे उसकी छवि में बनाए गए थे, यदि आप चाहें, तो उनके मामले में एक प्राणी छवि, बेशक, लेकिन मसीह के पैटर्न के बाद, परमेश्वर की सच्ची छवि। अवतार बहुत बड़ा है क्योंकि अवतार के बिना, हम मसीह से जुड़ नहीं सकते। अवतार यीशु के पाप रहित जीवन के साथ-साथ उनकी उद्धारक मृत्यु और विजयी पुनरुत्थान के लिए एक आवश्यक शर्त है। लेथम ने पेंटेकोस्ट को भी कवर किया है।

यह आत्मा का नया वाचा का उंडेला जाना है, जो वास्तव में परमेश्वर के सभी लोगों के लिए मसीह के साथ एकता को एक वास्तविकता बनाता है। मसीह का पुनरुत्थान, जो परमेश्वर के अनन्त जीवन और शक्ति को प्रकट करता है, फिर से, उसके साथ एकता में आवश्यक है क्योंकि हम जीवित मसीह से जुड़ जाते हैं जो मृतकों में से जी उठा है। लेथम की पुस्तक बाइबल और इतिहास को कवर करती है, लेकिन यह ऐतिहासिक धर्मशास्त्र के क्षेत्र में विशेष रूप से अच्छी है।

उन्होंने सिस्टेमेटिक्स को भी कवर किया है। यह बाइबल और सिस्टेमेटिक्स से संबंधित है, लेकिन ऐतिहासिक धर्मशास्त्र इसका मुख्य केंद्र है। जे. टॉड बिलिंग्स ने *यूनियन विद क्राइस्ट, रीफ्रेमिंग थियोलॉजी और मिनिस्ट्री फॉर द चर्च* लिखा है।

वह कैल्विन और व्यवस्थित विज्ञान, खास तौर पर मसीह के साथ एकता और भ्रष्टता और ईश्वर की अज्ञेयता पर चर्चा करते हैं। जैसा कि हम देखेंगे, खास तौर पर जॉन के लेखन में, यह चर्चा करने के लिए एक अच्छा विषय है क्योंकि जॉन के लिए यह आश्चर्यजनक है कि वह न केवल यह सिखाता है कि त्रित्ववादी व्यक्ति परस्पर एक दूसरे में निवास करते हैं बल्कि यह भी कि ईश्वर की कृपा से, एक प्राणी के रूप में, विश्वासी भी परस्पर त्रित्व में निवास करते हैं। यह लगभग ईशनिंदा जैसा लगता है, लेकिन यह जॉन की शिक्षा है, और, बेशक, जॉन ने बहुत सावधानी से संवाद किया, निर्माता-प्राणी भेद और बहुत कुछ का अवलोकन किया। हालांकि, बिलिंग्स सही हैं।

मसीह के साथ मिलन का सम्बन्ध व्यवस्थित विज्ञान से है, लेकिन बिलिंग्स की पूरी किताब, *मसीह के साथ मिलन, धर्मशास्त्र को फिर से परिभाषित करना और चर्च के लिए मंत्रालय*, का शीर्षक बहुत अच्छा है क्योंकि पूरी किताब मंत्रालय की ओर उन्मुख है, और यह अच्छा है क्योंकि मसीह के साथ मिलन एक व्यावहारिक सिद्धांत है। कॉन्स्टेंटाइन कैम्बेल, या जैसा कि उनके दोस्त उन्हें कहते हैं, कॉन कैम्बेल ने पॉल पर सबसे उत्कृष्ट पुस्तक लिखी जिसका नाम *पॉल और मसीह के साथ मिलन था, व्याख्यात्मक और धार्मिक अध्ययन*। यह मसीह के साथ एकता के अध्ययन का एक संक्षिप्त इतिहास देता है और ग्रीक के साथ बहुत अच्छी तरह से काम करता है।

कैम्बेल ने न्यू टेस्टामेंट की ग्रीक भाषा पर किताबें लिखी हैं। वह यूनियन के लिए ग्रीक अभिव्यक्तियों के साथ अच्छी तरह से काम करता है। वह पॉलिन ग्रंथों और छवियों या चित्रों, और पॉलिन धर्मशास्त्र की प्रथम श्रेणी की व्याख्या करता है।

इसलिए, यह अभी भी पॉल पर सबसे अच्छी किताब है, और यह उत्कृष्ट है। मेरी अपनी किताब में, जिसका मैं एक मिनट में उल्लेख करूंगा, मैं उन पर निर्भर हूँ। मेरा दायरा पूरी बाइबल है, लेकिन पॉल में मेरा काम बहुत प्रभावित है। मैं कैम्बेल का ऋणी हूँ।

मूडी बाइबिल इंस्टीट्यूट के मार्कस जॉनसन, या आज जो भी नाम है, वन विद क्राइस्ट, उन्होंने मोक्ष का एक इंजील धर्मशास्त्र लिखा, जो मसीह के साथ मिलन और उनके लाभों पर जोर देता है, लेकिन वह सही कहते हैं कि हम कभी-कभी लाभों पर जोर देते हैं और इस तथ्य को भूल जाते हैं कि यह जीवित मसीह के साथ मिलन है, और यही सब कुछ बदल देता है, और यही लाभ लाता है। इसलिए, मार्कस जॉनसन की किताब को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

ग्रांट मैकएस्किल का एक बहुत ही विद्वत्तापूर्ण, व्यापक और सार्थक अध्ययन है, *यूनियन विद क्राइस्ट इन द न्यू टेस्टामेंट*, 2013। मैंने पहले ही कहा: यह ऐतिहासिक, बाइबिल और धर्मशास्त्रीय दृष्टि से व्यापक है, जिसमें पूर्वी रूढ़िवादी सहित ईसाई चर्च की विभिन्न शाखाओं की तुलना की गई है। मेरा मतलब है, कोई अन्य पुस्तक ऐसा नहीं करती है।

इसलिए, मैकएस्किल का दायरा व्यापक है, उनका काम विद्वत्तापूर्ण है, और यह एक सार्थक उपचार है। 2015 में, मैंने *आत्मा द्वारा लागू मोक्ष, मसीह के साथ एकता लिखी*, और जहाँ तक मुझे पता है, यह एकता को संक्षेप में प्रस्तुत करने, इसे पूरी बाइबल को देखते हुए, इसका इलाज करने का एकमात्र प्रयास है। जैसा कि हम देखेंगे, यह एक नया नियम सिद्धांत है, और फिर भी

इसकी नींव पुराने नियम, समकालिक सुसमाचार और फिर प्रेरितों के काम में बाइबिल के लेखकों के माध्यम से प्रभु द्वारा रखी गई है, और वे नींव महत्वपूर्ण हैं।

इसके बारे में आने वाले व्याख्यान में और अधिक जानकारी दी जाएगी। पवित्र आत्मा के व्यक्तित्व पर आने से पहले, मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि मुझे पिछले कुछ वर्षों में कई किताबें लिखने का सौभाग्य मिला है, और इनमें से कोई भी किताब आत्मा द्वारा लागू मोक्ष, मसीह के साथ एकता पर आधारित किताब से अधिक अद्भुत और विस्मयकारी नहीं रही है। यह अद्भुत क्यों है? मसीह के साथ एकता के विषय से मैं धन्य और अभिभूत था क्योंकि यह एक साथ अद्भुत और विस्मयकारी है।

यह अद्भुत क्यों है? मार्कस जॉनसन, जिनकी पुस्तक का मैंने अभी उल्लेख किया है, उत्तर देते हैं, "मुक्ति की प्राथमिक, केंद्रीय और मौलिक वास्तविकता यीशु मसीह के साथ हमारा मिलन है, जिसके कारण उद्धारकर्ता के सभी लाभ हमारे पास आते हैं, और जिसके मिलन के माध्यम से इन सभी लाभों को समझा जाना चाहिए। सभी उद्धारक सत्यों में सबसे बुनियादी वह मिलन है जिसे पिता परमेश्वर पवित्र आत्मा की शक्ति के माध्यम से विश्वासी और उसके पुत्र, यीशु मसीह के बीच स्थापित करता है। जॉनसन ने लिखा, इसे स्पष्ट रूप से कहें तो, बचाए जाने का अर्थ है उद्धारकर्ता के साथ एक होना।"

यह एक अद्भुत शिक्षा है, जैसा कि हम देखेंगे, प्रभु की इच्छा से। यह विस्मयकारी भी है। यदि यह इतना अद्भुत है, तो यह इतना विस्मयकारी क्यों है? न्यू टेस्टामेंट और फिर धर्मशास्त्र के वेस्टमिंस्टर प्रोफेसर, मुझे लगता है कि अब सेवानिवृत्त रिचर्ड गैफिन ने उत्तर दिया है, और मैं उद्धृत करता हूँ, निश्चित रूप से अपने पूर्ण आयामों में, मिलन का यह रहस्य विश्वासियों की समझ से परे है।

उद्धार और सुसमाचार से संबंधित किसी भी चीज़ की तरह, यहाँ भी सभी सच्ची धार्मिक समझ की पहचान शामिल है, मसीह के प्रेम का वह ज्ञान जो ज्ञान से बढ़कर है, वह ज्ञान जो सभी मानवीय ज्ञान से परे है। इफिसियों 3:18 और 19 की तुलना 1 कुरिन्थियों 2:9 से करें। फिर से, वह इनमें से कुछ शिक्षाओं का उल्लेख कर रहा है कि ईश्वर की कृपा से, विश्वास के माध्यम से, विश्वासी दिव्य जीवन में हिस्सा लेते हैं। ओह, हम देवता या ईश्वर का हिस्सा नहीं बनते।

सृष्टिकर्ता और प्राणी के बीच का अंतर हमेशा के लिए है। कम से कम यह तब शुरू हुआ जब हम बने थे, और यह तब से हमेशा के लिए है। लेकिन हम न केवल परमेश्वर के प्रेम में बल्कि उसके जीवन में भी भागीदार हैं।

इसलिए, यीशु यूहन्ना 17 में प्रार्थना कर सकते थे, पिता, मैं तुम में हूँ, तुम मुझ में हो, और वे हम में हैं। उन लोगों के बारे में बात करते हुए जो उसके शिष्यों के वचन के माध्यम से उस पर विश्वास करेंगे। वैसे भी, यह अद्भुत, गर्मजोशी से भरी शिक्षा, एक महान आशीर्वाद, और साथ ही साथ आश्चर्यजनक रूप से हैरान करने वाला था।

लेकिन एकता के बारे में सही ढंग से बात करने के लिए, हमें पवित्र आत्मा के व्यक्तित्व के बारे में बात करनी चाहिए। वह एक व्यक्ति है, न कि एक शक्ति, और वह एक दिव्य व्यक्ति है, शाश्वत त्रिदेव का एक सदस्य है। पवित्र आत्मा एक व्यक्ति है।

पवित्रशास्त्र आत्मा को एक व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है, न कि एक अवैयक्तिक शक्ति के रूप में। यहाँ इसके कुछ प्रमाण दिए गए हैं। उसके पास व्यक्तिगत गुण या विशेषताएँ हैं।

वह व्यक्तिगत सेवकाई करता है। वह ऐसे काम करता है जो केवल लोग ही कर सकते हैं। और वह एक व्यक्ति के रूप में प्रभावित होता है।

जब परमेश्वर अपने लोगों के साथ वाचा में प्रवेश करता है, तो देना और लेना होता है। संबंध होते हैं, और परमेश्वर अपने लोगों को जवाब देता है। मैं परमेश्वर के ईश्वरत्व और यहां तक कि अपरिवर्तनीयता को भी नकारता नहीं हूँ जिसे उसके चरित्र और योजना और इसी तरह के अन्य वचनों के रूप में सही ढंग से समझा जाता है और स्थिर होने का वादा करता है, लेकिन हमें परमेश्वर के गुणों के साथ-साथ बाकी सब चीजों की भी वाचा के अनुसार जांच करनी होगी।

परमेश्वर अपने लोगों के साथ एक वास्तविक संबंध में प्रवेश करता है, और यह सब कुछ को प्रभावित करता है। पवित्र आत्मा, आत्मा के व्यक्तित्व में व्यक्तिगत गुण होते हैं। व्यक्तित्व के तत्व बुद्धि, इच्छाशक्ति और भावनाएँ हैं।

सोचने की क्षमता, इच्छाशक्ति, इच्छाशक्ति और अपनी इच्छा को दुनिया पर थोपने की क्षमता, और महसूस करने की क्षमता, भावना रखने की क्षमता। शास्त्र इन तीनों को आत्मा से जोड़ता है। आत्मा में बुद्धि होती है, मत्ती अध्याय 10।

मैं पवित्रशास्त्र की ओर बहुत अधिक मुड़ने जा रहा हूँ क्योंकि निश्चित रूप से यही वह स्थान है जिस पर धर्मशास्त्र आधारित होना चाहिए। यीशु अपने शिष्यों और अनुयायियों को चेतावनी देते हैं जब वे तुम्हें पकड़वाते हैं; मत्ती 10:19, जब वे तुम्हें पकड़वाते हैं, तो इस बारे में चिंता न करें कि तुम्हें कैसे बोलना है या क्या कहना है। तुम्हें जो कहना है वह तुम्हें उस समय दिया जाएगा।

क्योंकि यह आप नहीं हैं जो बोलते हैं, बल्कि आपके पिता की आत्मा है, जो एक सुंदर अभिव्यक्ति है, जो आपके माध्यम से बोलती है। यह महान उत्पीड़न के समय की बात करता है, और फिर भी परमेश्वर अपने लोगों के साथ है और उन्हें मसीह के लिए खड़े होने में सक्षम बनाता है। विशेष रूप से, आत्मा में बुद्धि है।

वह परमेश्वर के लोगों को ऐसे समय में उनकी अपनी क्षमता से परे बोलने में सक्षम बनाता है। बेशक, आत्मा की बुद्धिमत्ता को यूहन्ना 14 से 16 में यीशु के विदाई भाषणों में रेखांकित किया गया है। इसलिए 14:26 में हम पढ़ते हैं, निस्संदेह एक ऐसा अंश जिसे हम इन व्याख्यानों में कई बार पढ़ेंगे, यूहन्ना 14 का 25, यूहन्ना 14:25, ये बातें मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुमसे कही हैं, लेकिन सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा और जो कुछ मैंने तुमसे कहा है, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा।

आत्मा में बुद्धि है, वह सिखाता है, वह शिष्यों को याद रखने में मदद करता है। इसी तरह, यूहन्ना 16:13 में, आत्मा यीशु का दूसरा रूप है। यीशु पिता के पास वापस जाता है, पिता और पुत्र आत्मा को भेजते हैं, और आत्मा उन सेवकाईयों को संभालती है जो यीशु ने अपने साढ़े तीन साल के सार्वजनिक मंत्रालय के दौरान की थीं।

यूहन्ना 16:12, मुझे तुमसे और भी बहुत सी बातें कहनी हैं, परन्तु अभी तुम उन्हें सह नहीं सकते। जब सत्य का आत्मा आएगा, तो वह तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा, क्योंकि वह अपनी ओर से न कहेगा, परन्तु जो कुछ सुनेगा, वही कहेगा, और आनेवाली बातें तुम्हें बताएगा। आत्मा विश्वासियों का, विशेषकर इस संदर्भ में प्रेरितों का मार्गदर्शन करता है।

मैं इन आयतों को नए नियम के पूर्व-प्रमाणीकरण के रूप में देखता हूँ। यीशु कहते हैं, जब यीशु चले जाएँगे, तो आत्मा एक नए और शक्तिशाली तरीके से आएगी। वह शिष्यों को सत्य की ओर मार्गदर्शन करेगी।

यह बुद्धिमत्ता का प्रमाण है। बुद्धिमान प्राणी सत्य की ओर मार्गदर्शन करते हैं, न कि केवल अवैयक्तिक शक्तियाँ। और अंत में, 1 कुरिन्थियों 2:11 में, मैं बहुत सारे प्रमाण-पाठ कर रहा हूँ क्योंकि मैं वास्तव में आत्मा के व्यक्तित्व के बारे में बाइबल की शिक्षा की व्यापकता को दिखाना चाहता हूँ।

आत्मा के ईश्वरत्व पर शिक्षा इतनी व्यापक नहीं है। फिर भी, यह पर्याप्त से अधिक है। 1 कुरिन्थियों 2 में पौलुस प्रेरितिक उपदेश को ईश्वरीय रहस्योद्घाटन होने की बात करता है।

प्रेरित जब परमेश्वर की ओर से बोलते हैं, तो पद 10 में पौलुस कहता है, परमेश्वर ने ये बातें हम पर आत्मा के द्वारा प्रगट की हैं, क्योंकि आत्मा सब कुछ, यहां तक कि परमेश्वर की गहराइयों को भी जांचता है। मनुष्य के मन को कौन जानता है, केवल उस मनुष्य के मन की आत्मा को छोड़ कर जो उसमें है? वैसे ही परमेश्वर के मन को भी कोई नहीं समझ सकता, केवल परमेश्वर की आत्मा को छोड़ कर।

निश्चय ही, आत्मा एक व्यक्ति है। वास्तव में, इस आयत से यह संकेत मिलता है कि वह एक दिव्य व्यक्ति है। परमेश्वर के विचारों को परमेश्वर के अलावा कौन जानता है?

त्रिएकत्व का सिद्धांत हमें बताता है कि हम व्यक्तियों को अलग नहीं करते, बल्कि हम उन्हें अलग-अलग पहचानते हैं। और यहाँ, आत्मा न केवल प्रेरितों के प्रचार को सशक्त बनाता है, बल्कि वह इसके माध्यम से परमेश्वर को प्रकट करता है क्योंकि केवल वही परमेश्वर के अपने दिव्य विचारों को जानता है। आत्मा उन विचारों और शब्दों को प्रेरितों के माध्यम से उनकी सेवकाई और घोषणाओं में प्रकट करता है।

आत्मा एक व्यक्ति है। उसके पास बुद्धि है। इसके अलावा, उसके पास इच्छाशक्ति भी है।

उसके पास इच्छाशक्ति है। हम इसे 1 कुरिन्थियों 12:11 में देखते हैं। ईसाई धर्म में दो आवश्यक रहस्य हैं जो उद्धार के लिए आवश्यक हैं।

त्रिएकत्व का सिद्धांत यह है कि ईश्वर एक में तीन हैं। मसीह के व्यक्तित्व की दो प्रकृतियों का सिद्धांत यह है कि कैसे पुत्र एक ही समय में एक ही व्यक्ति में ईश्वर और मनुष्य दोनों है। तीसरा रहस्य भी उतना ही रहस्यमय है, पवित्रशास्त्र में समान रूप से प्रकट किया गया है, कम से कम इस पक्षपाती कैल्विनिस्ट के लिए, लेकिन उतना महत्वपूर्ण नहीं है।

आप कैल्विनिस्ट हुए बिना भी ईसाई हो सकते हैं, लेकिन परमेश्वर की पूर्ण संप्रभुता और वास्तविक क्यूबाई जिम्मेदारी के बीच गतिशील अंतरक्रिया रहस्यमय है। हम इसे 1 कुरिन्थियों 12 और 14 में आध्यात्मिक उपहारों में देखते हैं। दो बार, विश्वासियों को आध्यात्मिक उपहारों की तलाश करने के लिए कहा जाता है जो मानवीय जिम्मेदारी से संबंधित हैं।

1 कुरिन्थियों 12:11 में, हालांकि, हमारे पास संप्रभुता का पक्ष है, और विशेष रूप से, जैसा कि उचित है, चूंकि आत्मा उपहारों का दाता है, इसलिए हमारे पास आत्मा है जो उपहारों को सशक्त भी करती है। कई अलग-अलग आध्यात्मिक उपहारों का उल्लेख करने के बाद, पद 11 में, पॉल 1 कुरिन्थियों 12 के बारे में कहता है, ये सभी उपहार एक ही आत्मा द्वारा सशक्त हैं, जो प्रत्येक विश्वासी को, व्यक्तिगत रूप से, उसकी इच्छा के अनुसार बांटता है। क्रिया इच्छा और इच्छा की बात करती है।

आत्मा की एक इच्छा होती है। यह एक संप्रभु इच्छा है कि वह अपनी इच्छानुसार आध्यात्मिक उपहार वितरित करे। इसलिए, उपहार देने में परमेश्वर संप्रभु है, और फिर भी विश्वासियों को उन्हें खोजने के लिए कहा जाता है।

और शायद जब आप चर्च के सिद्धांत पर व्याख्यानों में पहुँचेंगे, तो हम इसे पूरी तरह से सुलझा लेंगे। लेकिन इस बीच, यह विलाप न करें कि आपके पास आध्यात्मिक उपहार नहीं है, अगर प्रभु ने आपको उस तरह से उपहार नहीं दिया है। यह महसूस करने का समय है कि ईश्वर सर्वोच्च है।

मेरे पास यह नहीं है। हालाँकि, दूसरा, मानवीय जिम्मेदारी वाला पक्ष, मुझे लगता है, खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो आलसी हैं और जो भगवान के साथ व्यस्त नहीं हैं। भगवान कहते हैं, एक मिनट रुको।

मुझे खोजो। अपनी प्रतिभा का पता लगाने की कोशिश करो और मेरे राज्य में व्यस्त हो जाओ। आत्मा एक व्यक्ति है, मात्र एक शक्ति नहीं।

उसके पास बुद्धि है, जैसे लोगों के पास होती है। उसके पास इच्छाशक्ति या संकल्प है, जैसा कि केवल व्यक्तियों के पास होता है। और उसके पास भावनाएँ भी हैं।

इफिसियों 4:30. भजनकार ने इब्रानियों 1 में उद्धृत किया है, जिसमें कहा गया है कि, आरम्भ में तुम मसीह के विषय में कहते थे, कि तुम ने धार्मिकता से प्रेम और दुष्टता से घृणा की। परमेश्वर एक भावनात्मक प्राणी है।

ओह, हम ईश्वर की भावनाओं को अपनी भावनाओं से अलग करते हैं। और एक लेखक ने ईश्वर के लिए ग्रीक शब्द थियोस का इस्तेमाल करते हुए उन्हें भावनाएँ कहा। मैं समझ गया।

हमें कुछ अंतर करने की ज़रूरत है। यानी, हमें परमेश्वर की घृणा और प्रेम आदि, और दैवीय ईर्ष्या और अन्य भावनाओं की कल्पना करनी है। वह उन्हें मानवीय शब्दों में हमारे सामने प्रकट करता है।

वह ऐसा कैसे कर सकता था? पूरी बाइबल मानव भाषा में परमेश्वर का वचन है। यह परमेश्वर-वक्ता स्वर्गदूतों की बात नहीं है। हम इसे समझ नहीं सकते थे।

और फिर भी, यह सच बोलता है। और परमेश्वर की भावनाएँ हमारी तरह नहीं हैं। हमारी भावनाएँ पाप से दूषित हैं, लेकिन उनकी भावनाएँ शुद्ध और पवित्र हैं।

और फिर भी, उसके पास भावनाएँ हैं। वह प्यार करता है, वह नफरत करता है, और इसी तरह। और इफिसियों 430 में, एक सुंदर अंश है।

यह इफिसियों का होगा, गलातियों का नहीं। हम पढ़ते हैं, परमेश्वर के पवित्र आत्मा को दुखी मत करो, जिसके द्वारा तुम छुटकारे के दिन के लिए मुहरबंद किए गए थे। यह ESV में गलत अनुवाद है।

मेरे भूतपूर्व छात्र, डेन ऑर्टलैंड, वहाँ बाइबल विभाग के प्रमुख थे, जब तक कि वे पादरी बनने नहीं चले गए। मैंने उन्हें इस बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसमें बदलाव किया जाएगा।

पिता मुहर लगाने वाला है। पवित्र आत्मा मुहर है। और हम मसीह के साथ एकता में मुहरबंद हैं, होना भी चाहिए।

परमेश्वर की पवित्र आत्मा को दुखी मत करो, जिसके द्वारा तुम परमेश्वर पिता द्वारा छुटकारे के दिन के लिए मुहरबंद किए गए थे। उन्होंने मुझे बताया कि ESV के अधिक हाल के संस्करण इसे सही कर देंगे। वैसे भी, यह बिंदु वैसे भी बना हुआ है।

परमेश्वर की पवित्र आत्मा को दुखी न करें। इस संदर्भ में, विश्वासी शोक मनाते हैं। वे इस संदर्भ में, विशेष रूप से पापपूर्ण क्रोध और पापपूर्ण भाषण द्वारा, परमेश्वर की पवित्र आत्मा को भावनात्मक रूप से घायल करते हैं।

परमेश्वर एक दिव्य और अनंत प्राणी है, और फिर भी वह अपने लोगों से वाचाबद्ध रूप से संबंध रखता है, और परमेश्वर महसूस करता है। परमेश्वर में भावनाएँ हैं। क्या मैं इसे उसकी स्थिरता के लिए खतरा मानता हूँ? मैं नहीं मानता।

मैं नहीं। और फिर भी वह अपने लोगों के साथ वास्तविक लेन-देन वाला रिश्ता बनाता है। वह प्रार्थना का उत्तर देता है।

वह पश्चात्ताप और अन्य बातों के प्रकाश में उस न्याय को रोक लेता है जिसके बारे में उसने चेतावनी दी थी। और मैं यह सुझाव नहीं दे रहा हूँ कि हम एक अनंत व्यक्तिगत ईश्वर को पूरी तरह से समझ सकते हैं, लेकिन हम आंशिक रूप से समझ सकते हैं, और निश्चित रूप से उसका वचन हमारा मार्गदर्शक है, और यह इस तथ्य को बताता है कि ईश्वर में भावनाएँ हैं। और आत्मा, क्योंकि वह एक व्यक्ति है, में भी भावनाएँ हैं।

कुछ उदार धर्मशास्त्रियों की यह धार्मिक शिक्षा कि आत्मा ईश्वर की एक मात्र शक्ति है, गलत है। ओह, थोड़ा-बहुत, मैं समझ सकता हूँ। पिता और पुत्र नाम आत्मा नाम से ज़्यादा गर्म हैं।

फिर भी, बाइबल कभी-कभी परमेश्वर को संदर्भित करने के लिए नपुंसक संज्ञा आत्मा के लिए पुल्लिंग सर्वनाम का उपयोग करती है। क्या यह उसके व्यक्तित्व को साबित करता है? वास्तव में, यह साबित नहीं करता है। लेकिन वह जो भूमिकाएँ निभाता है और जो सेवकाई करता है, उससे पता चलता है कि आत्मा एक व्यक्ति है।

यह भी सच है कि आत्मा ईश्वर की शक्ति से जुड़ी हुई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह एक व्यक्ति है। वह एक शक्तिशाली व्यक्ति है। न केवल पवित्र आत्मा एक व्यक्ति है, बल्कि वह एक दिव्य व्यक्ति भी है, और हम थोड़ी देर में वहाँ पहुँचेंगे।

मुझे अभी भी इसे पूरा करना है। आत्मा व्यक्तिगत सेवकाई करता है। वह यीशु का स्थान लेता है।

यूहन्ना 14:16 में यीशु कहते हैं, मैं तुम्हारे पास एक और सहायक भेजूँगा। यह शब्द पैराक्लेटोस है, या अंग्रेजी लिप्यंतरण में पैराक्लेटे। यह बहुत कठिन है।

हम इसका लगातार अनुवाद नहीं कर सकते। इसे व्यक्तिगत संदर्भों में करना होगा। इसलिए, 1 यूहन्ना 2:2 वह हमारा बचाव वकील है।

जॉन 16 :8 से 11, वह एक अभियोक्ता वकील है। और अनुवाद में सहायक और इसी तरह के अन्य शब्द कहे गए हैं। वे इसे व्यक्त करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करते हैं।

बात यहीं पर है। वह यीशु का दूसरा रूप है। वह एक और सहायक है, एक और सहायक, क्योंकि वह यीशु की जगह लेता है।

निश्चय ही, केवल एक व्यक्ति ही ऐसा कर सकता है। वह यीशु की शिक्षा को आगे बढ़ाता है। यूहन्ना 15:26.

आत्मा उस शिक्षा को जारी रखता है जिसे यीशु ने शुरू किया था। अर्थात्, परमेश्वर की योजना में, पिता और पुत्र यीशु की सेवकाई को जारी रखने के लिए आत्मा को भेजेंगे। यूहन्ना 15:26.

जब सहायक आता है, तो इसे करने का एक और तरीका है। सहायक इसका अनुवाद करने का एक अच्छा तरीका है। जब सहायक आएगा, जिसे मैं पिता की ओर से तुम्हारे पास भेजूँगा, अर्थात् सत्य का आत्मा जो पिता की ओर से निकलता है, वह मेरे बारे में गवाही देगा।

इस बार वह यीशु के बारे में सिखाना जारी रखता है, ठीक वैसे ही जैसे यीशु ने अपने बारे में सिखाया था। वह यीशु की महिमा करता है। यूहन्ना 16:14.

आत्मा मेरी महिमा करेगी, क्योंकि वह जो मेरा है उसे लेकर तुम्हारे लिए घोषणा करेगा। ये ऐसी सेवकाईयाँ हैं जो केवल व्यक्ति ही करते हैं। केवल एक व्यक्ति ही यीशु का स्थान लेता है।

केवल एक व्यक्ति ही अपनी शिक्षा जारी रखता है और यीशु के बारे में सिखाता है। केवल एक व्यक्ति ही यीशु की महिमा करता है। केवल एक व्यक्ति ही पापियों को, क्षमा करें, उनके पाप के बारे में दोषी ठहराता है, और वह यूहन्ना 16:8 है। जब वह आएगा, तो वह सहायक होगा, और वह पाप और धार्मिकता और न्याय के बारे में दुनिया को दोषी ठहराएगा।

रोमियों 8:26 में पौलुस कहता है कि आत्मा प्रार्थना करती है। वह हमारे लिए इतने गहरे शब्दों में प्रार्थना करता है कि उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। रोमियों 8:16.

रोमियों 8:26, मुझे खेद है। इसी तरह, आत्मा हमारी कमजोरी में हमारी मदद करती है, क्योंकि हम नहीं जानते कि हमें किस तरह प्रार्थना करनी चाहिए। लेकिन आत्मा खुद हमारे लिए इतनी गहरी आहें भरकर विनती करती है कि उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

ताकतें प्रार्थना नहीं करतीं, बल्कि व्यक्ति प्रार्थना करते हैं। आत्मा हमारे लिए प्रार्थना करती है। वह हमें आश्वस्त करता है, यूहन्ना 8, 16।

आत्मा स्वयं हमारी आत्मा के साथ गवाही देती है कि हम परमेश्वर की संतान हैं। वह जीवन देता है। वह जीवन देने वाली आत्मा है, 2 कुरिन्थियों 3, 6। इन सभी सेवकाईयों में, हम केवल एक व्यक्ति को देखते हैं जो इन्हें कर सकता है।

आत्मा उन्हें पूरा करती है। इसलिए, आत्मा, पवित्र आत्मा, एक व्यक्तिगत प्राणी है। इसके अलावा, वह एक व्यक्ति के रूप में प्रभावित होता है।

उसकी निंदा की जा सकती है, मरकुस 3:29। झूठ बोला जा सकता है, प्रेरितों के काम 5:3। तुम पवित्र आत्मा से झूठ बोलते हो, पौलुस हनन्याह और सफीरा से कहता है। आत्मा की परीक्षा ली जा सकती है, प्रेरितों के काम 5:9, जिस तरह से परमेश्वर की परीक्षा नहीं होनी चाहिए।

आत्मा का परीक्षण किया जाता है। आत्मा का विरोध किया जा सकता है, स्टीफन ने यहूदी श्रोताओं से कहा, इससे पहले कि वे उसे पत्थर मारें। तुम हमेशा पवित्र आत्मा का विरोध करते हो, जैसा तुम्हारे पूर्वजों ने भविष्यद्वक्ताओं के साथ किया था।

स्तिफनुस, प्रेरितों के काम 7:51. आत्मा दुखी हो सकती है, जैसा कि हमने इफिसियों 4, 30 में देखा. उसे बुझाया जा सकता है, 1 थिस्सलुनीकियों 5:19.

और आत्मा का अपमान किया जा सकता है, इब्रानियों 10:29। इब्रानियों में पाँच महान चेतावनी अंशों में से एक में, जो लोग यहूदी होने का दावा करते हैं, यहूदी ईसाई उत्पीड़न से बचने के लिए यहूदी धर्म में लौटने का प्रयास करते हैं, उन्हें यह जानना चाहिए कि ऐसा करना आध्यात्मिक आत्महत्या है। यदि कोई ऐसा करता है, तो पापों के लिए कोई बलिदान नहीं रहता है, इब्रानियों 10:26, लेकिन केवल परमेश्वर का न्याय।

मूसा के कानून के खिलाफ बैठना गंभीर है, इब्रानियों 10:29। आपको क्या लगता है कि उस व्यक्ति को कितनी अधिक सज़ा मिलनी चाहिए जिसने परमेश्वर के पुत्र को उसके प्रायश्चित्त को अस्वीकार करके पैरों तले रौंदा है और वाचा के खून को अपवित्र किया है, वह वह होगा जिसमें यीशु एकमात्र मध्यस्थ है, जिसके द्वारा उसे पवित्र किया गया था, अर्थात् जो लोग मसीह का दावा करते हैं वे अलग हो जाते हैं, चर्च का हिस्सा बन जाते हैं, और अनुग्रह की आत्मा का अपमान करते हैं। ये सभी पाप हैं जो एक व्यक्ति करता है यदि वह सुसमाचार और नई वाचा को तुच्छ समझता है और उस मसीह को अस्वीकार करता है जिसे उसने पहले स्वीकार किया था।

आत्मा का अपमान किया जाता है। केवल एक व्यक्ति की निंदा की जा सकती है, उससे झूठ बोला जा सकता है, उसका परीक्षण किया जा सकता है, उसका विरोध किया जा सकता है, उसे दुखी किया जा सकता है, उसे शांत किया जा सकता है या उसका अपमान किया जा सकता है। मैं उन आयतों को एक बार फिर से दूंगा।

आत्मा की निन्दा की जा सकती है, मार्क 3:29। यीशु ने कहा, सच-सच, मैं तुमसे कहता हूँ, मनुष्य के बच्चों के सभी पाप क्षमा किए जाएँगे, और जो भी निन्दा वे करते हैं, वह भी क्षमा की जाएगी, लेकिन जो कोई पवित्र आत्मा के विरुद्ध निन्दा करता है, उसे कभी क्षमा नहीं मिलती, बल्कि वह अनन्त पाप का दोषी है, मार्क समझाता है, क्योंकि वे कह रहे थे कि उसमें अशुद्ध आत्मा है। मार्क 3, मैंने 28 से 30 तक पढ़ा।

प्रेरितों के काम 5 में, हनन्याह और सफीरा झूठ बोलने के लिए सहमत हुए। उनकी संपत्ति उनकी अपनी थी। यहाँ कोई साम्यवाद नहीं चल रहा है।

यह प्रेरितों को मंत्रालय के काम के लिए अपनी संपत्ति और ज़मीन स्वेच्छा से देना है। इसलिए, उनका पाप यह नहीं है कि वे अपनी चीज़ें, अपनी ज़मीन नहीं रखना चाहते थे। उनका पाप यह है कि उन्होंने झूठ बोला।

हनन्याह नाम के एक व्यक्ति और उसकी पत्नी सफीरा ने अपनी संपत्ति का एक टुकड़ा बेचा, प्रेरितों के काम 5:2। और अपनी पत्नी की जानकारी में, उसने कुछ हिस्सा अपने लिए बचा लिया और उसका एक हिस्सा लाकर प्रेरितों के चरणों में रख दिया। लेकिन पतरस ने कहा, प्रेरितों के काम 5:3, हनन्याह, शैतान ने तुम्हारे दिल में पवित्र आत्मा से झूठ बोलने के लिए क्यों भरा है? आत्मा एक व्यक्ति है जो एक व्यक्ति के रूप में प्रभावित हो सकता है। आप किसी ताकत से झूठ नहीं बोल सकते।

तुम लोगों से झूठ बोलते हो, और यहाँ वे पवित्र आत्मा से झूठ बोलते हैं। और ज़मीन की आय का कुछ हिस्सा अपने पास रखना। जब तक वह बिना बिकी रही, क्या वह तुम्हारी नहीं रही? और जब वह बिक गई, तो क्या वह तुम्हारे अधिकार में नहीं थी? तुमने अपने दिल में यह काम क्यों रचा है? तुमने इंसान से नहीं, बल्कि भगवान से झूठ बोला है।

मैं यहाँ अगले नोट्स के सेट की आशा करते हुए यह बताना चाहूँगा कि न केवल यह अंश दिखाता है कि आत्मा एक व्यक्ति के रूप में प्रभावित होती है, उससे झूठ बोला जा सकता है, बल्कि यह उसके नाम को परमेश्वर के नाम के साथ बदल देता है। आत्मा से झूठ बोलना परमेश्वर से झूठ बोलना है। जब हनन्याह ने ये शब्द सुने, तो वह गिर पड़ा और उसने अपनी अंतिम साँस ली।

दुख की बात है कि सफीरा को भी परमेश्वर की तरह ही भाग्य का सामना करना पड़ता है, जैसा कि वह कभी-कभी अपने वचन में करता है, कुछ पापियों को वह देता है जिसके हम सभी हकदार हैं। वह अपने लोगों को चेतावनी देने के लिए उन्हें अपनी पवित्रता और न्याय के उदाहरण के रूप में अलग करता है। तीन घंटे बाद, सफीरा आती है, प्रेरितों के काम 5:7, यह नहीं जानते हुए कि क्या हुआ था।

मुझे बताओ कि क्या तुमने ज़मीन इतने में बेची है, पतरस ने कहा, इतने में। उसने कहा हाँ, इतने में। तब पतरस ने उससे कहा, यह कैसे हुआ, प्रेरितों के काम 5:9, कि तुम दोनों ने प्रभु की आत्मा को परखने के लिए आपस में सहमति जताई है? देख, तेरे पति को दफ़नानेवाले द्वार पर खड़े हैं।

यह एक अलंकार है, पूरे के लिए एक हिस्सा। उनके पैर उनके पूरे शरीर को दर्शाते हैं। सिनेकडोक का मतलब है पूरे के लिए एक हिस्सा या पूरे के लिए एक हिस्सा।

इस मामले में, उनके पैर पूरे लोगों के लिए, पूरे अस्तित्व के लिए, उनके पूरे अस्तित्व, उनके पूरे शरीर के लिए खड़े हैं। देखो, तुम्हारे पति को दफ़नाने वालों के पैर दरवाज़े पर हैं, और वे तुम्हें बाहर ले जाएँगे। वह तुरंत उसके पैरों पर गिर पड़ी और उसने दम तोड़ दिया।

यहाँ मुद्दा यह है, श्लोक 11, और पूरे चर्च पर और उन सभी पर बहुत भय छा गया जिन्होंने इन बातों के बारे में सुना। परमेश्वर अपने नाम के पवित्र भय को बढ़ावा दे रहा है, जब उसके लोग उसके खिलाफ विद्रोह करते हैं तो वे क्या पाने के लायक हैं, इसका एक छोटा सा नमूना पेश करके। हमारा मुद्दा यह है कि आत्मा से झूठ बोला जा सकता है, और आत्मा का परीक्षण किया जा सकता है। इसलिए, वह एक व्यक्ति है।

और फिर, प्रेरितों के काम 7:51 में स्टीफन के भाषण के अंत में, वह बूम को नीचे गिराता है, हे हठीले लोगों, हृदय और कानों में खतनारहित, खतनारहित कानों, क्षमा करें, तुम हमेशा पवित्र आत्मा का विरोध करते हो। जैसा तुम्हारे पूर्वजों ने किया, वैसा ही तुम भी करते हो। भविष्यद्वक्ताओं में से किसको तुम्हारे पूर्वजों ने नहीं सताया? और उन्होंने उन लोगों को मार डाला जिन्होंने धर्म के आने की पहले से घोषणा की थी, जो यीशु मसीह का संदर्भ है, जिसे तुमने अब धोखा दिया और मार डाला है।

आत्मा का विरोध किया जा सकता है। इस्राएल का इतिहास यह दर्शाता है, और इसका सार यह है कि वाचा के लोग अपने मसीहा को क्रूस पर चढ़ाते हैं, प्रेरितों के काम 7:51। हमने पहले ही इफिसियों 4:30 में आत्मा को दुखी होते देखा है, परमेश्वर द्वारा अपने लोगों पर मुहर लगाने के संदर्भ में, पिता ने परमेश्वर के लोगों को पवित्र आत्मा को मुहर के रूप में दिया, जो उनके अंतिम उद्धार की गारंटी है।

वे मुहरबंद हैं, इफिसियों 4:30 छुटकारे के दिन के लिए। नए नियम में मुहर की धारणा एक त्रित्ववादी धारणा है। पिता मुहर लगाने वाला है, पवित्र आत्मा नहीं।

ईएसवी गलत है; इफिसियों 4-30 में उस अनुवाद में यह गलत था। मुझे उम्मीद है कि उन्होंने इसे ठीक किया होगा जैसा कि उन्होंने कहा था। मुहर पवित्र आत्मा है।

वह लिफाफे पर मोम है, अगर आप चाहें तो। उसमें मुहर लगाई जाती है, इफिसियों 1:13 और 14, और उसमें आप भी वादा किए गए पवित्र आत्मा, वादे की पवित्र आत्मा के साथ मुहर लगाए जाते हैं। यानी, पिता मसीह के साथ विश्वासियों की एकता को मुहर लगाता है, और वह खुद उन्हें पवित्र आत्मा के साथ मुहर लगाता है।

यह एक त्रित्ववादी कार्य है। आत्मा को दुःखी किया जा सकता है, इफिसियों 4:30। उसे बुझाया जा सकता है, 1 थिस्सलुनीकियों 5। जब हम आत्मा के व्यक्तित्व का अध्ययन करते हैं, तो हमें कुछ चेतावनियाँ मिलती हैं, खासकर उसके प्रभावित होने या प्रभावित होने की धारणा।

बिना रुके प्रार्थना करो। हमेशा खुश रहो। बिना रुके प्रार्थना करो।

हर बात में धन्यवाद करो, क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है। आत्मा को न बुझाओ। भविष्यद्वाणियों को तुच्छ न जानो, परन्तु सब बातों को परखो।

जो अच्छा है, उसे दृढ़ता से थामे रहो। हर तरह की बुराई से दूर रहो। आत्मा को न बुझाओ, जैसे कि बहुत सारा पानी फेंकना या आग पर आग बुझाने वाला पाइप छिड़कना।

विश्वासी अपने अविश्वास से आत्मा को बुझा सकते हैं। मुद्दा यह है कि आत्मा एक व्यक्ति है। उसे बुझाया जा सकता है।

और हमने इब्रानियों 10 में पहले ही देखा है कि मसीह और उसके क्रूस के साथ-साथ, जिसका अपमान किया जा सकता है, अनुग्रह की आत्मा का भी अपमान किया जा सकता है क्योंकि परमेश्वर के अंगीकार करने वाले लोग मसीह से दूर हो जाते हैं, उस अंगीकार को अस्वीकार करते हैं जो उन्होंने एक बार किया था। इसके अलावा, आत्मा एक अवैयक्तिक शक्ति नहीं है बल्कि एक व्यक्ति है जिसे हम जानते हैं। यूहन्ना 14:17 महत्वपूर्ण है क्योंकि, सामान्य तौर पर, यीशु अपने विदाई प्रवचनों में पिता और पुत्र के बारे में बात करते हैं और आत्मा को पितृकुस्त के बाद के कार्यों और सेवकाईयों के लिए काफी हद तक समर्पित करते हैं।

ओह, जॉन के सुसमाचार में जॉन 3 में पुनर्जन्म वाले मार्ग में आत्मा द्वारा नया जीवन देने का उल्लेख है और कई स्थानों पर यीशु के जीवन में उनकी सांसारिक सेवकाई में सक्रिय आत्मा का उल्लेख है। लेकिन आत्मा की सेवकाई जिसके बारे में हम पौलुस और जॉन में आनन्दित हैं, पिन्तेकुस्त के दिन आत्मा के महान उंडेले जाने के बाद आने की भविष्यवाणी की गई है, जैसा कि जॉन 7 के अंत में बताया गया है। इसलिए, जॉन 14:17 हमें बताता है, यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे, जॉन 14:15, और मैं पिता से विनती करूंगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा, कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे, अर्थात् सत्य का आत्मा, जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता, क्योंकि वह न तो उसे देखता है और न उसे जानता है।

आप उसे जानते हैं। आप किसी शक्ति को नहीं जान सकते, लेकिन आप किसी व्यक्ति को जान सकते हैं। आप उसे जानते हैं, क्योंकि वह आपके साथ रहता है और आपके अंदर रहेगा।

आत्मा को व्यक्ति के रूप में जाना जा सकता है। वह वास करता है, यह किसी व्यक्ति की भाषा है जो किसी चीज़ के साथ वास करता है, किसी और के साथ रहता है। वह विश्वासियों के साथ वास करेगा और यहाँ तक कि उनके अंदर वास करेगा, उनके अंदर होगा, और यह केवल एक मंत्रालय है जिसमें व्यक्ति शामिल होते हैं, वास करते हैं।

इसके अलावा, आत्मा एक व्यक्ति है जिसके साथ हम संगति करते हैं। हम इसे सबसे प्रसिद्ध पॉलिन आशीर्वाद में देखते हैं, जो कि मेरा अपना पसंदीदा है, 2 कुरिन्थियों 13:13 या ESV में 13:14। एक अन्य अनुवाद इसे श्लोक 13 में रखता है।

मेरा मानना है कि बाइबल में 14 सबसे आम तरीका है। प्रभु यीशु मसीह की कृपा, परमेश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा की संगति आप सभी के साथ हो। यहाँ त्रिकत्व है।

दिलचस्प क्रम। पुत्र, पिता, आत्मा। पौलुस प्रार्थना करता है कि विश्वासी मसीह के अनुग्रह, परमेश्वर पिता के प्रेम और पवित्र आत्मा की संगति को जान सकें।

इनमें से प्रत्येक संज्ञा संबंध, संगति और प्रेम की बात करती है। आप किसी शक्ति के साथ संगति नहीं कर सकते। पवित्र आत्मा की संगति आप सभी के साथ हो।

1 यूहन्ना 1, हमारी संगति पिता और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है, और पौलुस ने कहा, और पवित्र आत्मा के साथ। आत्मा एक व्यक्ति है जिसके साथ हम संगति करते हैं।

इसलिए, हमारे अगले व्याख्यान में, हम पवित्र आत्मा को ईश्वर के रूप में देखेंगे, लेकिन समीक्षा करने के लिए, पवित्र आत्मा एक अवैयक्तिक शक्ति नहीं है।

ओह, वह एक शक्तिशाली व्यक्ति है, और हम मानते हैं कि उसका नाम पिता और पुत्र की तरह गर्मजोशी भरा और पारिवारिक नहीं है। फिर भी, बाइबल उसे एक व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करती है। उसके पास व्यक्तिगत गुण, बुद्धि, इच्छाशक्ति और भावनाएँ हैं।

वह ऐसे मंत्रालय करता है जो केवल व्यक्ति ही करते हैं, यीशु की जगह लेता है, यीशु की शिक्षाओं को आगे बढ़ाता है, यीशु की महिमा करता है, लोगों को उनके पापों का दोषी ठहराता है, हमारे लिए प्रार्थना करता है, हमें भीतर से आश्वस्त करता है, और हमें अनंत जीवन देता है। उसके पास व्यक्तिगत गुण हैं, वह ऐसे मंत्रालय करता है जो केवल व्यक्ति ही करते हैं, और एक व्यक्ति के रूप में प्रभावित होता है, जैसा कि हमने अभी देखा। उसकी निंदा की गई, उससे झूठ बोला गया, उसका परीक्षण किया गया, उसका विरोध किया गया, उसे दुखी किया गया, उसे शांत किया गया, और उसका अपमान किया गया।

संक्षेप में, जैसा कि यीशु ने यूहन्ना 14:17 में कहा, तुम आत्मा को जानते हो। वह एक व्यक्ति है, क्योंकि वह तुम्हारे साथ है और तुम्हारे भीतर रहेगा। और परमेश्वर का धन्यवाद, उसकी कृपा से, हम न केवल प्रभु यीशु मसीह की कृपा और परमेश्वर पिता के प्रेम का आनंद लेते हैं, बल्कि हम, उसके लोग, पवित्र आत्मा की संगति का आनंद लेते हैं।

यह निश्चित रूप से एक व्यक्ति की संगति है, और इससे भी अधिक, यह एक दिव्य व्यक्ति, त्रिदेव के तीसरे व्यक्ति की संगति है, जो हमारे अगले व्याख्यान का विषय होगा।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन की पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 1 है, पवित्र आत्मा एक व्यक्ति है।